Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / November-December 2024 / VOL -01 ISSUE-III

Akshardhara Research Journal

November-December 2024

VOL -01 ISSUE-III

Akshara Publication
Plot-42 Akshara Publication Gokuldham Residency
Prema Nagar [illegible] Road Bhusawal Dist Jalgaon (M.S.) India 425201

Akshardhara Research Journal

Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal

E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / November-December 2024 / VOL -01 ISSUE-III

-: Chief Editor:-

Dr Priyanka J. Mahajan

Co-1110/6 Mamaji Talkies area Juna Satara Bhusawal.
Dist. Jalgaom (M.S) India Pincode 425201
Website: https://admrj.com
E-mail : admrj0404@gmail.com

-: Executive Editor & Publisher :-

Dr. Girish S. Koli

42 Akshara Publication Gokuldham Prerananagar Wanjola
Road Near Star Lone Bhusawal Dist. Jalgaon
[M. S.] India 425201
Mobile No: 9421682612

Member Of Editorial Board

DR. E.G. WAJIRA GUNASENA
Designation : Senior Lecturer (I) In Hindi
Address : Department of Languages, Cultural Studies and Performing Arts University of Sri Jayawardenepura, Nugegoda, 10250, Sri Lanka
Mobile : 0094 112758315
Email Id : wajiragunasena@sjp.ac.lk

DR. VIVEK MANI TRIPATHI
Designation : Assistant Professor
Address : Faculty of Afro – Asian Languages and Cultures, Guangdong University of Foreign Studies, Guangzhou, Guangdong, China.
Mobile : 86-18666279640
Email Id : 2294414833@qq.com

Dr. Girish Kumar Painoli
Designation : Professor
Address : School of Commerce and Management. Aurora Deemed to be University. Hyderabad India Pin Code:500098
Mobile : 07674938785
Email Id : girishkumar@aurora.edu.in

Dr. VIVEK ARUN JOSHI
[illegible]
[illegible] Management [illegible]
Jalgaon (M. S.) India Pin Code: 425201
Mobile : 91 9881716287
[illegible]

ADRJ Disclaimer :

For the purity and authenticity of any statement or view expressed in any article [illegible] that article [illegible] held responsible. At any [illegible] ADRJ [illegible] Board [illegible]

Akshardhara Research Journal

Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal

E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / November-December 2024 / VOL -01 ISSUE-III

Index

Sr.No.	*Title Of The Paper*	Author's Name	Page No.
1	Lexical-Semantic Analysis of the words "DVIGU" in Hindi Language	**Dr. Sirojiddin S. Nurmatov**	**04**
2	From Plague Sores to Respiratory Struggles: The Transformation of Pandemics from 665 to 2020	**Ms. Priyanka Shyamnarayan Tripathi Dr.Sagar Vyas**	**09**
3	आधुनिक काळातील उद्योजकता शिक्षणाचे वाढते महत्त्व व बदलते दृष्टिकोन: शोध अभ्यास	**गीता योगीराज तांदळे डॉ. नलिनी रामचंद्र चोंडेकर**	**14**
4	महाकवि तुलसी के शैक्षिक दर्शन में निहित आध्यात्मिक मूल्यों व पर्यावरण शिक्षा का अध्ययन	**रानी ओझा डॉ. जितेन्द्र कुमार तिवारी डॉ. सावित्री सिंगवाल**	**19**
5	Relevance of Mahatma Gandhi's Thoughts and Feminist Ideology in the 21st Century	**Dr. Jayshree C. Salunkhe**	**22**
6	कोरोना काल में संचार माध्यमों का शिक्षा पर प्रभाव	**कोशिमा अंसारी**	**26**
7	किन्नर विमर्श की समस्याएँ और उनका समाज में योगदान	**डॉ. नमिता गोस्वामी**	**29**
8	'मोबाईलचा विद्यार्थ्यांच्या अध्ययनावर होणारा परिणाम: एक मानसशास्त्रीय अभ्यास	**प्रा.संतोष उमाकांत पस्तापुरे**	**34**
9	Management of Electronic Resources and Services	**Shaikh Shabeena Shakeel**	**39**
10	Study of Consumer Beneficial Provisions in the Consumer Protection Act. 2019	**Aarti Suresh Bhalerao**	**41**
11	The Future of Blockchain Technology in Education: Revolutionizing Learning and Credentialing	**Dr.Anita Wankhede**	**45**
12	धनगर समाजाची संस्कृती. परंपरा व चालीरीती यांचा आढावा	**प्रा. डॉ. अरविंद बी. पाटील**	**48**
13	आजची शिक्षण पद्धती आणि वैदिक साहित्य	**डॉ. मयूर धनराज रवंदळे**	**52**
14	[illegible]	**डॉ. काकासो बापूसो भोसले**	**57**

ADRJ Disclaimer:

For the purity and authenticity of any statement or view expressed in any article. The concerned writers (of that article) will be held responsible. At any cost member of ADRJ editorial Board will not be responsible for anyconsequences arising from the exercise of Information contained in it.

Akshardhara Research Journal
Single Blind Peer-Reviewed & Refereed International Research Journal
E ISSN -3048-8095 / Bimonthly / November-December 2024 / VOL -01 ISSUE-III

14

शमशेर बहादुर सिंह का काव्य प्रतिपाद्य एवं शिल्प

डॉ. काकासो बापूसो भोसले
रयत रयत शिक्षण संस्था का.डॉ पतंगराव कदम महा.
रामानंदनगर (बुर्ली) तह. पलूस. जि. सांगली

शमशेर बहादुर सिंह की कविताएँ यद्यपि समय समय पर प्रकाशित होती थी. उनकी कविताएँ पहली बार" दूसरा सप्तक में संग्रहित होकर सामने आई। उनकी प्रतिनिधि कविताओं का प्रथम संकलन दूसरा सप्तक की कविताओं का संकलन है।
"दूसरा सप्तक" के अपने वक्तव्य में अपनी कविता के विषय में शमशेर ने कहा है"
"अपनी कविता में मेरी यह कोशिश रही है कि हरचीज की भावना की एक भाषा होती है जिसमें वह कलाकार से बात करती है उसे सीखूँ। जहाँ जहाँ वह कोशिश कामयाब होती देखी उन्होंने उसके प्रभाव को ग्रहण किया है।
शमशेर अपनी कविता सृजना में अनेक प्रभावों को स्वीकारते गए है. और उसे कबूल भी करते गए हैं। कविता के टेकनिक मैं वे अंग्रेजी प्रभाव से प्रभावित हैं, तो कविता की भाषा के लिए वे पंत के ऋणी हैं। उनके भावों को प्रभावित करने का कार्य निराला की परिमल तथा अनामिका की कविताने किया है। उर्दू की गजल शैली का भी स्वीकार उन्हो ने किया है। उलझने भावों के कारण सपनों की सी चित्रकारी, बातचीत का लहजा. चलती हुई लय आदि को कविने अपनी कविता के रुप और छंद का आधार बनाने का प्रयास किया है।

जन आंदोलन की और शमशेर आकर्षित अवश्य थे। कम्युनिस्ट आदर्शों से वे अपने को प्रभावित अवश्य मानते थे। उनके अंतस में विद्यमान किंतु अस्पष्ट सामाजिक आदर्शों को कम्युनिस्ट पार्टी के संगठित जीवन में एक सुस्पष्ट और सुंदर रुपमें उन्होंने देखा था। उनकी यह अनुभूति रही है कि वे उसे ठीक से पकड नहीं पाए हैं। उनकी नजर में इसके दो कारण है - १. जनता के हृदय से उनकी दूरी और २. मार्क्स वाद का उथला ज्ञान खासकर इतिहास ज्ञान की कमी।

आधुनिक हिंदी साहित्य की जो समृध्द परंपरा छायावादी काव्य धारा ने विकसित की थी शमशेर की कविता उसी काव्य परंपरा से विकसित हुई थी।

शमशेर के अनुसार कला का संघर्ष समाज के संघर्ष से अलग चीज नहीं हो सकती। सन १९४२ तक उनकी रुझान अपनी अकेली दुनिया के अंदर खींचते चले जाने की और था। इससे छुटकारा पाने के लिये उनका संघर्ष १९४२ - ४३ में आरंभ हुआ। वे जन आंदोलनों, जन भावनाओं को छूनेवाली कविता को अपनाने के अभिलाषी थे। लोकभाष के कवियोंके स्वर में स्वर मिलाना चाहते थे।

नई कविता के विषय में उन्होंने सिध्दांत रुप से कुछ बातों को स्वीकार किया है [१] नई कविता में कवि अपनी भावनाओं की सच्चाई खोज करता है। [२] ललित कलाएँ एक दूसरे में समाई हुई रहती है। [३] कवि की व्यक्ति गत रुचियाँ कला निखार में सहयोग देती है। [४] दो चार अन्य भाषाओं के ज्ञान से जीवन की पहचान और कला सौंदर्य के वर्धन में सहयोग मिलता है। [५] भाषा और कला के रुपों का पार नहीं है। [६] कला जीवन का सच्चा दर्पण है

परिवर्तन की तीव्र गति से शमशेर परिचित है। अत. परंपरा का विघटन करते हुए- नवीन प्राण स्वर अर्थात आधुनिकता को वे कविता में प्रतिपादित करते हैं।

[illegible] शमशेर के काव्य में [illegible] आस्था की झलक, एकाकी पन की तटस्थता आदि विशेषताएँ [illegible] है। वे अपने वैयक्तिक बोध में आधुनिकता के निकट हैं।

[illegible] की प्रेम विषयक कविताओं में [illegible] आत्मविश्वास [illegible]

जब करेगा प्रेम विव्हल उठेंगे युगों के भूधर
उस उठेंगे सात सागर कहा सजे मैंने साज, अभी।
निकट तम सबकी " अपर शायों की " गहन मायामय प्राप्त सत्य तब बनेगी तब प्राप्य जय.